सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

खुशी तब होती है जब आप जो सोचते हैं, आप जो कहते हैं, और आप जो करते हैं उन सबमें में समानता हो।

-महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्षः 9 ● अंकः 48 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 मार्च, 2023

मानव ही नहीं जीव-जंतु की भी ... 2 | सवालों से भागने का हथियार ... 3 | बिहार प्रदेश को विशेष राज्य... 7

राहुल गांधी की सजा को लेकर देशभर में हंगामा, विपक्ष ने कहा

तानाशाह हो रही है सरकार

मानहानि मामले में सूरत कोर्ट ने दी दो साल की सजा, मिली जमानत

30 दिनों में कर सकते हैं अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल को मानहानि के मामले में मिली सजा के बाद राजनीति माहौल गरमा गया है। हालांकि सजा के बाद उन्हें बेल मिल गई है अब वह आगे बड़ी अदालत में जा सकते हैं। कांग्रेस ने भाजपा को घेरते हुए कहा है कि हम सरकार के कारनामों के खिलाफ पीछे नहीं हटेंगे। उधर भाजपा ने कहा है कि राहुल अपने बयानों से ही अपनी पार्टी के लिए मुशकिलें खड़ी कर रहे हैं।

बता दें सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...वाले बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद उसी कोर्ट ने उन्हें 30 दिन के लिए जमानत भी दे दी गई। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे। राहुल ने कोर्ट में अपना पक्ष भी रखा। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। उधर, कोर्ट के बाहर विधायक और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी और उनके समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगाए।

राहुल को आईपीसी की धारा 400 और 500 के तहत दोषी करार दिया गया है। इसमें 2 साल की सजा का प्रावधान है। राहुल के वकील ने कोर्ट से कहा- इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसलिए हम किसी प्रकार की दया की याचना नहीं करते हैं।

सत्य मेरा भगवान है : राहुल

सजा मिलने के बाद राहुल ने टिवट् करके कहा कि मै सत्य व अहिसा के साथ खड़ा हूं। सरकार के आगे कभी झुकूंगा नहीं। गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठाता रहुंगा।

मेरा भाई नहीं डरेगा : प्रियंका

राहुल गांधी की सजा के बाद उनकी बहन व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा है कि उनके भाई सरकार के अत्याचार के खिलाफ बोलते रहेंगे। वो किसी से डरेंगे नहीं।

हमें पहले से अंदेशा था : खरगे

सूरत कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमें इसका अंदेशा था जिस तरह से वह लोग बार-बार उन्हें (राहुल गांधी) बुला रहे थे। बीजेपी जब एक उंगली दूसरे पर उठाती है तो चार उंगलियां उसी की ओर उठती हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, ये न्यू इंडिया है। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाओगे तो ईडी-सीबीआई, पुलिस,एफआईआर सबसे लाद दिए जाओगे। राहुल गांधी जी को भी सच बोलने की, तानाशाह के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने की सजा मिल रही है। देश का कानून राहुल गांधी जी को अपील का अवसर देता है, वह इस अधिकार का प्रयोग करेंगे। हम डरने वाले नहीं वहीं लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा राहुल गांधी से यह सरकार डरती है, पीएम मोदी डरते हैं, राहुल गांधी की आवाज को दबाने की हरसंभव कोशिश की जा रही है, चाहे यह सदन के अंदर हो या सदन के बाहर, इसलिए एक फर्जी मामला दर्ज करके राहुल गांधी को फंसाने की एक साजिश है। हमें पता था कि कई महीनों से यह साजिश हो रहा है ताकि राहुल गांधी के जो मेंबरशिप है सदन की, उसको खारिज करवाया जाए।

राहुल को इस तरह फंसाना उचित नहीं : केजरीवाल

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गैर बीजेपी नेताओं और पार्टियों पर मुकदमे करके उन्हें खत्म करने की साजिश हो रही है। हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं मगर राहुल गांधी जी को इस तरह मानहानि केस में फंसाना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं पर इस निर्णय से असहमत हैं।

फैसले का स्वागत करता हूं : सुशील कुमार मोदी

बीजेपी सांसद सुशील कुमार मोदी ने राहुल गांधी पर सूरत कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है. उन्होंने कहा- फैसले का स्वागत करता हूं। मैं भी मोदी हूं, मैंने राहुल गांधी के बयान को सुनने पर अपमानित महसूस किया था

ये है मामला

2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान राहुल ने अपने भाषण में कहा था कि चोरों का सरनेम मोदी है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है, चाहे वह ललित मोदी हो या नीरव मोदी हो चाहे नरेंद्र मोदी। इस केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी तीन बार कोर्ट में पेश हुए थे। आखिरी बार अक्टूबर 2021 की पेश के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था।

सूरत पश्चिम के विधायक पूर्णेश मोदी ने दर्ज किया था केस

यह केस सूरत पश्चिम के विधायक पूर्णेश मोदी ने दर्ज किया था। पूर्णेश का कहना था कि राहुल गांधी ने हमारे समाज को चोर कहा था। चुनावी सभा में हमारे खिलाफ आरोप लगाए गए, जिससे हमारी और समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची। इसी के चलते हम इस मामले को कोर्ट में लेकर आए। हम आखिरी सांस तक लड़ेंगे। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हालांकि, राहुल गांधी के वकील ने दलील दी थी कि पूर्णेश मोदी को इस मामले में पीड़ित पक्ष के रूप में शिकायतकर्ता नहीं होना चाहिए था, क्योंकि राहुल गांधी के अधिकांश भाषणों में प्रधान मंत्री को निशाना बनाया गया था, न कि पूर्णेश मोदी को।

लोकसभा की सदस्यता पर असर नहीं

राहुल गांधी को अगर दो साल से ज्यादा की सजा होती, तो उनकी संसद सदस्यता पर खतरा मंडरा सकता था। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद राहुल गांधी को अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। ऐसे में उनकी संसद की सदस्यता बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक, अगर विधायकों या सांसदों को किसी भी मामले में दो साल से ज्यादा की सजा होती है तो उनकी संसद या विधानसभा की सदस्यता छिन जाएगी।

ऑर्डर की कॉपी देखकर बोलूंगा : रिजिजू

किरेन ने राहुल गांधी मानहानि केस पर कहा कि मैं कुछ भी कहने से पहले ऑर्डर की कॉपी देखूंगा। राहुल गांधी जो कुछ भी बोलते हैं वह हमेशा कांग्रेस पार्टी और पूरे देश पर गलत असर डालता है। कांग्रेस के कुछ सांसदों ने मुझसे कहा है कि राहुल के रवैए से कांग्रेस को ही नुकसान हो रहा है।

मानव ही नहीं जीव-जंतु की भी दुश्मन है भाजपा : अखिलेश

बोले-अगले लोस चुनाव में सपा की यूपी में होगी अहम भूमिका

» किसी को भी जेल भेज सकती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सुप्रिमो व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की सरकारों पर झूठ फलाने के का आरोप लगाते हुए तीखा वार किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसी को भी जेल भेज सकती है। भाजपा के लोग मानव ही नहीं जीव जंतु और पेड़ के भी दुश्मन हैं। जी 20 के दौरान तमाम पेड़ काट दिए गए। भाजपा के लोगों ने जी 20 के गमले चुरा लिए। एक हजार एकड़ में एक लाख 36 हजार पेड़ लगते हैं। भाजपा सरकार बताएं इन्होंने 150 करोड़ पेड़ कहां लगाएं?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में ये बाते कहीं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी हर स्तर पर भाजपा का मुकाबला करेगी। बाकी दल तय करें कि वह सपा की मदद करना चाहते हैं या नहीं। भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर रही है। संविधान विरोधी कार्य कर रही है। भाजपा सरकार का हर कदम संविधान विरोधी है। लोकतंत्र के जरिए सत्ता में आने वाले भाजपा के लोग अलोकतांत्रिक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मां गंगा और गोमती की सफाई के नाम पर झूठ बोल रही है। किसानों की समस्याओं पर जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बजट में आलू खरीद के लिए एक हजार करोड़ देने की बात कही गई है, लेकिन किसानों का आलू नहीं खरीदा गया। सरकार ने निजी कंपनियों से गेहूं खरीदवा दिया और बाद में आम जनता को महंगा आटा खरीदना पड़ा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अमेठी निवासी आरिफ के घर से वन विभाग द्वारा सारस पक्षी उठाए जाने पर सरकार पर हमला बोला। कहा कि अभी सारस को कैद किया है। कल हमें और आपको भी जेल भेज सकते हैं। अब पोस्टर लगाने और सवाल पूछने पर जेल भेजा जा रहा है। क्या यही लोकतंत्र है? मैं विधायक से मिलने कानपुर जेल गया तो विधायक की जेल बदल दी गई। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सारस को कैद करने की कार्रवाई तब की गई, जब मैं आरिफ के घर सारस पक्षी को देखने गया। सरकार बताए कि सारस को कहां कैद करके रखा है।

जो सदन में झूठ बोले, उससे क्या उम्मीद करें

सरकार के एक साल के कार्यकाल पूरा होने के सवाल पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक नहीं छह साल पूरे हुए हैं। जो विधानसभा में झूठ बोल सकता है, उससे क्या उम्मीद की जाए। उन्होंने 56 में 46 अधिकारियों की नियुक्ति का दावा किया था, हमने सूची मांगी। अभी तक नहीं दिए। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। अभी तक नहीं किए। किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आलू खरीद क्यों नहीं हुई? गेहूं खरीदा गया और अब आटा किस कीमत बिक रहा है, यह समझने वाली बात है। सरकार बताए कि उनसे कितने लोगों को नौकरी दी। उन्होंने कहा कि जिस सरकार के पास डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी स्थाई नहीं है, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

सारस सेंटर की परियोजना कहां गई: सपा अध्यक्ष

उन्होंने प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर निशाना साधा। कहा कि जब सरकार सारस को छीन रही है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो, जो मोर को दाना खिला रहे हैं। उस मोर को भी छीना जाए। उन्होंने सवाल सवाल किया कि क्या अधिकारियों में यह हिम्मत है कि मोर को छीन सकते हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दिनों इटावा में सारस सेंटर बनने की परियोजना तैयार की गई थी। सरकार ने उसे खत्म कर दिया।

हिमाचल में भाजपा ने पाइपों को ही बनाया चुनावी हथियार : डिप्टी सीएम

» पूर्व सरकार के खिलाफ जनता का श्वेत पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि भाजपा ने पानी के पाइपों को अपना चुनावी हथियार बनाया। बेरहमी से पाइपों की प्रदेश में सप्लाई की गई। झंडे, कुर्सी, बाड़ और चारपाइयां बनाने में भी पाइपों का इस्तेमाल हुआ। जल जीवन मिशन वर्ष 2024 में खत्म होना था। भाजपा ने जल्दबाजी में दो साल पहले ही निपटा दिया। विधानसभा सदन में प्रश्नकाल के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मपुर में चंद्रशेखर कांग्रेस विधायक बने हैं।

पूर्व सरकार के खिलाफ जनता का यह श्वेत पत्र है। कांग्रेस विधायक केवल सिंह पठानिया ने प्रश्नकाल में मामला उठाते हुए कहा कि पूर्व सरकार के समय दो हजार करोड़ की राशि से धड़ल्ले से पानी के पाइपों की खरीद हुई। दिल्ली, अहमदाबाद, गाजियाबाद, ओडिसा, पंचकूला और मोहाली की कपंनियों से खरीद की गई। सभी पाइप एक जैसे हैं। हर कंपनी की गुणवत्ता भी एक जैसी है। उन्होंने कहा कि पाइपों को इतनी अधिक मात्रा में खरीदने के कारण ही सड़कों पर जगह-जगह ढेर लग गए।

कांग्रेस सरकार योजनाओं का विस्तार करेगी

मुकेश ने कहा कि पूर्व सरकार ने पेयजल योजनाओं का दायरा बढ़ाए बिना ही नए कनेक्शन लगा दिए, इस कारण कई क्षेत्रों में पानी की सप्लाई नहीं मिल रही है। कांग्रेस सरकार योजनाओं का विस्तार करेगी। जिन क्षेत्रों में अभी कनेक्शन नहीं लगे हैं, वहां सरकार प्राथमिकता पर नल लगाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जोशी राजस्थान और चौधरी बने बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली। भाजपा ने आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। राजस्थान से सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। विधान परिषद सदस्य सम्राट चौधरी को बिहार और मनमोहन सामल को ओडिशा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में भाजपा की हार के बाद आदेश गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है। बिहार के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए सम्राट चौधरी इस समय विधान परिषद के सदस्य हैं। वे सदन में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। 2015 में भाजपा में आने से पहले लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल, नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और जीतनराम मांझी की पार्टी हम में भी रह चुके हैं।

केंद्र सरकार के व्यवहार के कारण सभी परेशान : गोपाल

» जंतर-मंतर पर जुटे कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के नेता गोपाल राय ने कहा कि केंद्र सरकार के व्यवहार के कारण सभी परेशान है। आप मोदी सरकार के खिलाफ अभियान की शुरुआत कर रही है जिसमें सरकार की तानाशाही केखिलाफ पोल खोली जाएगी।

अभियान के संबंध में पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के लंबे संघर्षों के बाद भारत को संविधान, लोकतंत्र, संसदीय प्रणाली, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और न्यायपालिका मिली है। लेकिन केंद्र सरकार के व्यवहार के कारण सभी परेशान हैं। केंद्र सरकार चुनाव आयोग व सीबीआई-ईडी को अपने इशारे पर चला रही है। न्यायपालिका को भी कंट्रोल करने की कोशिश की जा रही है। देश के अंदर चुनी हुई राज्य सरकारों को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दिया जा रहा है। आम आदमी पार्टी शहीद दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को जंतर-मंतर पर सभा आयोजित कर केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान की शुरुआत की सभा में देशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को आप राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान संबोधित किया।

मां-माटी-मानुष के लिए पूजा की : ममता बनर्जी

» जगन्नाथ मंदिर में की पूजा, पटनायक से भी मिलीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पूजा की। मंदिर की ओर से उन्हें जगन्नाथ की मूर्ति भी भेंट की गई। हालांकि ममता बनर्जी के दर्शन करने के बाद पुरी मंदिर के कपाट बंद हो गए। ममता ने बुधवार को पूजा भी की थी। ओडिशा दौरे पर पहुंची मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को मंत्री अरूप विश्वास के साथ पुरी मंदिर पहुंची।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने मां-माटी-मानुष के लिए पूजा की है। सभी के जीवन में खुशियां आएं। इसके अलावा उन्होंने ध्वजारोहण को भी अपनी आंखों से देखा, जो पुरी मंदिर के आकर्षणों में से एक है। ममता ने कहा कि मंदिर के अधिकारियों ने उन्हें पुराना ध्वज दिया। हर दिन पुरी मंदिर में झंडा फहराया और उतारा जाता है। प्रतिदिन पुराने भाग को उतारकर उसे काटकर भक्तों में बांटा जाता है। मंदिर प्रबंधन की ओर से अंत में ममता बनर्जी को भगवान जगन्नाथ की मूर्ति उपहार में दी गई।

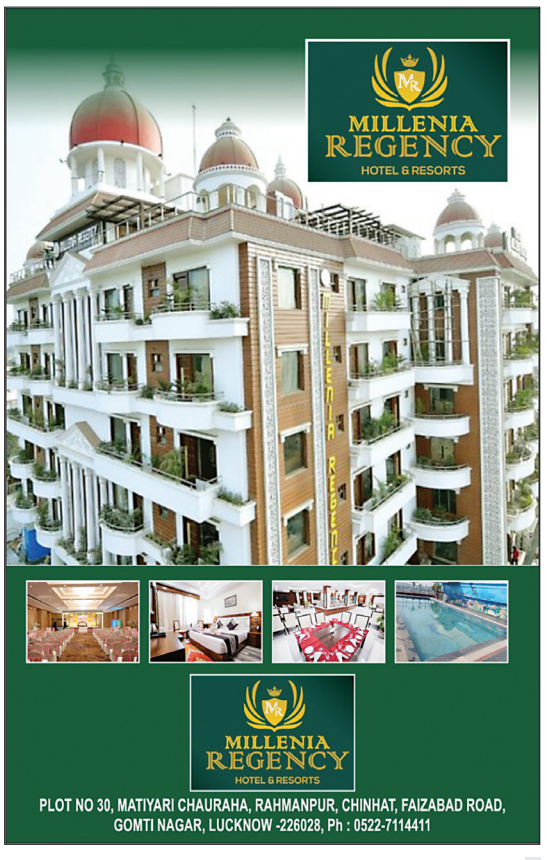

सवालों से भागने का हथियार तो नहीं हंगामा!

बजट सत्र के दूसरे चरण का दो हफ्ता ठप

सरकार को मिल सकता है फायदा

» भाजपा की साजिश में फंसी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे चरण के दो हफ्ते हंगामें व शोरशराबे की भेंट चढ़ गए। विडंबना यह रही कि पहली बार ऐसा हुआ कि सत्तापक्ष ही बहस करवाने के मूड में नहीं लगी। 13 मार्च से शुरू हुए इस दूसरे चरण में हर दिन सिर्फ तारीख बदलती है, लेकिन दोनों सदनों के अंदर के हालात एक जैसे रहे। सत्ता पक्ष एक ओर जहां राहुल गांधी के माफी मांगने की अपनी मांग पर अड़ा रहा, तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर जेपीसी बनाने की मांग को लेकर डटा रहा।

हालांकि, हमेशा ये कहा जाता है कि विपक्ष संसद को नहीं चलने दे रहा, लेकिन इस बार विपक्ष के नेता बोलना चाह रहे हैं, लेकिन सत्ता पक्ष खुद हंगामा खड़ा करके सदन की कार्यवाही को नहीं चलने दे रहा है। एक ओर सरकार राहुल से माफी की मांग कर रही है, दूसरी ओर जब राहुल गांधी संसद में बोलने की इजाजत मांगते हैं तो भाजपा के सदस्य उन्हें बोलने ही नहीं दे रहे हैं। आखिर सरकार खुद क्यों नहीं सदन की कार्यवाही को चलने दे रही है और राहुल के बोलने से मोदी और उनकी सरकार को किस बात का डर है। दरअसल, सदन की कार्यवाही न चलने देना ये सरकार की एक सोची-समझी साजिश है। सरकार खुद ये नहीं चाहती कि सदन चले। क्योंकि जाहिर सी बात है कि अगर सदन की कार्यवाही चलेगी तो सरकार को विपक्ष के सवालों के जवाब देने होंगे, या कोई नया बिल व विधेयक लाना होगा। लेकिन सरकार इन दोनों ही बातों से भाग रही है। उल्टे राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों पर माफी की मांग करके और इस बात को लेकर सदन में हंगामा करके वो जनता का ध्यान हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और अपनी नाकामियों से भटकाना चाह रही है। साथ ही 2024 से पहले राहुल की छवि और कांग्रेस पर ऐसे आरोप लगाकर लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे को देशभक्ति से जोड़कर अपना फायदा उठाना चाह रही है।

यानी मोदी की सरकार और उसके सदस्य एक सोची समझी साजिश के तहत जानबूझकर सदन की कार्यवाही नहीं चलने देना चाह रही है। क्योंकि इसका फायदा भी सरकार को ही मिल रहा है, सदन के सातवें दिन भी राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को सभापति ने बोलने की अनुमति दी थी। लेकिन खरगे जैसे ही बोलने के लिए उठे, वैसे ही सभी भाजपा सांसद नारे लगाने लगे, और हंगामा करने लगे, जिसके चलते खरगे अपनी बात को नहीं रख सके। नतीजन लगातार बढ़ते हंगामे को देखकर सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। ऐसा ही मंजर लोकसभा में भी देखने को मिला। दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सभी विपक्षी दलों ने संसद की पहली मंजिल पर प्रदर्शन किया। सभी सांसदों के हाथ में बैनर-पोस्टर थे... वे अडाणी-हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे.। वहीं ममता

बनर्जी की पार्टी टीएमसी के सांसदों ने कांग्रेस से अलग प्रदर्शन किया, वे अडाणी मुद्दे पर प्रधानमंत्री से चुप्पी तोड़ने की मांग कर रहे थे। आज सातवें दिन भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर दोहराया कि लंदन के केंब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए बयान पर राहुल गांधी संसद में माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने कहा कि हम अडाणी मामले पर जेपीसी से जांच की मांग बार-बार करेंगे जब तक हमें कोई जवाब नहीं मिलता। राहुल की माफी की मांग सिर्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए है। उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारे दूतावासों पर हमले हो रहे हैं, लेकिन सरकार इन हमलों की निंदा करने के लिए कुछ भी नहीं कह रहे और अब देशभक्ति की बात कर रहे है।

वहीं इससे पहले कल राहुल गांधी ने भी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर सदन में बोलने देने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने अपील की है कि उन्हें ब्रिटेन में दिए गए बयान को लेकर सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाएज अब ये देखना होगा कि आज अगर आगे लोकसभा की कार्यवाही चलती है तो क्या राहुल को बोलने का मौका मिलता है या नहीं.। वैसे इसकी संभावना कम ही नजर आती है। बजट के दूसरे चरण को शुरू हुए सात दिन हो चुके हैं। लेकिन कार्यवाही एक भी दिन नहीं चल सकी।

सत्रावसान कराना चाहती है भाजपा

भाजपा लगातार हंगामा करके सदन की कार्यवाही को इसलिए भी नहीं चलने दे रहा है क्योंकि संभव है कि गतिरोध दूर होने की संभावना लगातार क्षीण होने के बाद बजट सत्र का दूसरा चरण समय से पहले ही खत्म हो सकता है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो सरकार केंद्रीय बजट को पारित कराने, रेलवे, कृषि जैसे प्रमुख मंत्रालयों की अनुदान मांगों का निपटारा करने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है.। इन प्रक्रियाओं के पूरा होते ही सत्रावसान की घोषणा की जा सकती है।

बता दें कि केंद्रीय बजट को 31 मार्च तक पारित कराना जरूरी है। यानी सरकार का मकसद साफ है। सदन को एक भी दिन सुचारू रूप से चलने ही न दो, ताकि विपक्ष

कोई सवाल कर सके या सरकार को किसी मुद्दे पर घेर सके, ऐसे में सवालों से बचने के लिए और अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए मोदी सरकार ने सदन में हंगामे को अपना प्रमुख हथियार बना लिया है., इसलिए जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू होती है और विपक्ष का कोई नेता बोलने के लिए खड़ा होता है सरकार के सदस्य हंगामा करना शुरू कर देते हैं और वो तब तक करते हैं, जब तक सदन की कार्यवाही को स्थगित न कर दिया जाए।

आखिर सरकार और विपक्ष दोनों को ये समझना होगा कि सदन की स्थापना किसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए या जनता के लिए कोई नए बिल व विधेयक लाने के लिए होता है... न कि हर दिन हंगामा करके सदन की कार्यवाही को बाधित करने के लिए। सदन को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है... लेकिन वर्तमान समय में सरकार और विपक्ष दोनों ने ही इस मंदिर को अखाड़ा बना रखा है... फिलहाल हम उम्मीद करते हैं कि सरकार सदन की कार्यवाही को चलने देगी न कि सवालों से बचने के लिए हंगामा करके इसको बाधित करेगी।

करोड़ों रुपये पानी में बहे

आपको बता दें कि सदन की एक दिन की कार्यवाही का खर्च 1.5 करोड़ रुपए आता है... ऐसे में अब तक 6 दिन पूरी तरह से हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं.। यानी अबतक लगभग 9 करोड़ रुपए पानी में बह चुके हैं। अब आप खुद सोचिए कि अगर ये ही 9 करोड़ रुपए जनता की भलाई के लिए कहीं पर इस्तेमाल होते तो इसका असर कितना बड़ा होता... लेकिन मोदी सरकार को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि उनका मेन मकसद ही विपक्ष और जनता के सवालों से बचना है। इसलिए हर दिन सदन में हंगामा किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर साहेब और उनकी सरकार के सदस्य जानते हैं कि अगर राहुल गांधी को सदन में बोलने का मौका मिल गया, तो फिर वो सरकार से कुछ सवाल पूछ देंगे जिनके जवाब देना शायद सरकार को नहीं आता। क्योंकि राहुल ने राष्ट्रपति के

अभिभाषण पर धन्यवाद देते हुए जो सवाल सरकार और साहेब से किए थे। उन सवालों पर अब तक सरकार या साहेब की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। ऐसे में सवालों से भागने का सबसे अच्छा तरीका है कि हर दिन सदन में हंगामा खड़ा कर दिया जाए और कार्यवाही को चलने ही न दिया जाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

यूक्रेन और रूस युद्ध रुकवाने की चीनी पहल

चीनी राष्ट्रपति की इस यात्रा का दूसरा और ज्यादा अहम पहलू यूक्रेन युद्ध बंद कराने में उनकी मध्यस्थता से जुड़ा है। जिनपिंग अपनी 12 सूत्रीय शांति योजना भी साथ लेकर आए हैं, जिसमें दोनों पक्षों के बीच बातचीत की अपील और सभी देशों की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करने की बात है। पुतिन ने अपनी तरफ से चीन के इन शांति प्रस्तावों को लेकर न सिर्फ उत्सुकता दिखाई बल्कि इसके प्रति सम्मान भी दर्शाया है।

यूक्रेन युद्ध का पटाक्षेप करने कराने के लिए चीन ने पहल की है। इसी के मद्दे नजर वहां के राष्ट्रपति शिपपिंग ने मास्को की यात्रा की। पिंग ने रुसी राष्ट्राध्यक्ष से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पुतिन ने कहा कि चीन की युद्ध को रोकने की जो योजना है वो कारगर है। हालांकि साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसमें पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका व यूरोपियन देशों को भी अपनी भूमिका सकारात्मक करनी होगी। आगे क्या होता है ये तो समय बताएगा परंतु यह पहल ठीक है क्योंकि पिछले एक साल से ज्यादा समय से पूरी दुनिया युद्ध की वजह से घबराई हुई है। अगर यह समाप्त हो जाता है तो मानवता के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

हालांकि चीन की पहल पर कभी-कभी शक भी होता है कि क्या रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता करा सकता है चीन? चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तीन दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ ज्यादा ही मुश्किलों में घिरे नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार ही इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने यूकेनी बच्चों को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से रूस भेजे जाने के मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया। ऐसे में चीनी राष्ट्रपति की यात्रा ने यूक्रेन युद्ध के संदर्भ दोनों देशों की नजदीकियों को नए सिरे से रेखांकित किया है। जिनपिंग अपने बयान में इस पहलू पर जोर देते नजर भी आए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'कोई गुटबंदी नहीं, कोई टकराव नहीं और किसी तीसरी पार्टी पर निशाना नहीं' के आधार पर विकसित किया है। जाहिर है, उनका परोक्ष निशाना क्वॉड जैसे मंचों पर था, जिसे चीन अपने खिलाफ गुटबंदी बताता रहा है।

बहरहाल, चीनी राष्ट्रपति की इस यात्रा का दूसरा और ज्यादा अहम पहलू यूक्रेन युद्ध बंद कराने में उनकी मध्यस्थता से जुड़ा है। जिनपिंग अपनी 12 सूत्रीय शांति योजना भी साथ लेकर आए हैं, जिसमें दोनों पक्षों के बीच बातचीत की अपील और सभी देशों की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करने की बात है। पुतिन ने अपनी तरफ से चीन के इन शांति प्रस्तावों को लेकर न सिर्फ उत्सुकता दिखाई बल्कि इसके प्रति सम्मान भी दर्शाया है। उधर यूक्रेन ने भी कहा है कि चीन, रूस पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए युद्ध समाप्त करवाए। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि चीन या किसी भी अन्य देश के समर्थन से अपनी शर्तों पर युद्धविराम की रूसी चाल से दुनिया को बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। इसमें दो राय नहीं कि सऊदी अरब और ईरान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली करवाने में कामयाबी से चीन का मनोबल बढ़ा हुआ है, लेकिन यूक्रेन में शांति कायम करने की राह में अभी भी कई बड़ी मुश्किलें हैं। देखना होगा कि चीन इन्हें दूर करने में कितना सफल हो पाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सृष्टि के प्रति आभार जताने का उत्सव

अखिलेश आर्येन्दु

वैदिक काल गणना का इतिहास विश्व की अन्य काल गणनाओं में सबसे अधिक प्राचीन, वैज्ञानिक, गणतीय, तार्किक और शास्त्रीय है। वेदों में काल गणना का जितना वैज्ञानिक, विशद और सूक्ष्म चिंतन किया गया है, वह आज के विज्ञान के मुताबिक भी तार्किक, प्रामाणिक और तथ्यपरक है। अन्य काल गणनाओं में वैज्ञानिकता, तार्किकता और प्रामाणिकता नहीं है। वे किसी न किसी महापुरुष, किसी घटना या जन्म दिन से शुरू होती है, जिसमें समय के बारे में चिंतन की सूक्ष्मता नहीं है। इन काल गणनाओं में खगोलीय पक्ष भी वैज्ञानिक व शास्त्रीय नहीं है। ज्ञान परम्परा में नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को माना जाता है। इस दिन सृष्टि की शुरुआत हुई। काल के प्रारम्भ के साथ आयु की गणना की शुरुआत भी इस दिन से हुई।

ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के मुताबिक सृष्टि के पहले सत्य नहीं था और असत्य भी नहीं था। न धरती बनी थी और न आकाश ही बना था। न मृत्यु थी न अमरत्व था। यानी कुछ भी नहीं था। चित्रा नक्षत्र से ताल्लुक रखने वाले चैत्र मास की प्रतिपदा को गणितीय गणना के मुताबिक यह शून्य की स्थिति थी। और इसलिए सृष्टि की शुरुआत की गणना पूरी तरह वैज्ञानिक है। जो सृष्टि चल रही है उसकी आयु 1 अरब 97 करोड़, 58 लाख 85 हजार एक सौ चौबीस वर्ष हो चुकी है। आधुनिक विज्ञान के मुताबिक भी सृष्टि की आयु यही है। लेकिन यह मानव का आविर्भाव काल नहीं है। मनुष्य का इस धरती पर जन्म वर्तमान चतुर्युगी माना जाता है। इसकी गणना इस प्रकार की गई है, जिसमें 4,32,00,00,000 सौर वर्ष का ब्रह्मा का दिन माना गया है। पूर्ण ब्रह्म को 14 मन्वंतरों में बांटा गया है। इन मन्वन्तरों में से छह बीत चुके हैं। 28वीं चतुर्युगी का सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग बीत चुके हैं। और कलियुग के 5119 वर्ष बीत चुके हैं। सृष्टि रचना का कार्य तब शुरू होता है जब परमाणुओं की साम्यावस्था भंग होती है। सूर्य सिद्धांत के मुताबिक ब्रह्मा को सृष्टि की रचना करने में 47,400 दिव्य वर्ष लगे थे। गौरतलब है देवताओं का एक वर्ष (एक दिव्य वर्ष) हमारी पृथ्वी के 360 सौर वर्ष के बराबर होता है।

नव संवत्सर का वर्णन वेदों से लेकर आधुनिक काल गणना के ग्रंथों में पाया जाता है। इससे जो घटनाएं, धार्मिक अनुष्ठान, जीवन दर्शन और सांस्कृतिक संबंध जुड़े हैं, वे सहज रूप से हमारे जीवन, समाज, कला, अध्यात्म और विज्ञान से भी जुड़े हैं।

ज्ञान परम्परा में नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को माना जाता है। इस दिन सृष्टि की शुरुआत हुई। काल के प्रारम्भ के साथ आयु की गणना की शुरुआत भी इस दिन से हुई।

नवरात्र में नव दिनों में किए जाने वाले व्रत उपवास और फिर रामनवमी पर भगवान राम के प्रति आस्था, श्रद्धा, उनके जीवन से लिए जाने वाली प्रेरणाएं और आत्मोन्नति का रास्ता भी इस विशेष अवसर से जुड़ा हुआ है। संस्कृत के तमाम ग्रंथों में नव संवत्सर मानव चेतना की नूतनता की अभिव्यक्ति है। यदि हम अपने जीवन में नवीनता, मौलिकता और उत्तमता को अपनाएं तो नववर्ष हमारे जीवन का आधार हो सकता है। आयुर्वेद में बारह महीनों के लिए अलग-अलग तरह के आहार-विहार बताए गए हैं। हर तीन महीने में ऋतु में बदलाव आ जाता है। चैत्र यानी अप्रैल में ठंड खत्म हो जाती है और गर्मी की शुरुआत होने लगती है। प्रकृति में खास तरह का बदलाव देखने में आता है। हर तरफ नयापन, नव उल्लास और नई तिथि का नये भाव के साथ हम स्वागत करते हैं। एक-दूसरे के प्रति आनंद का भाव भी इस नयेपन में दिखाई देता है। महीने का शुक्ल पक्ष कृष्ण पक्ष की अपेक्षा अधिक सकारात्मक ऊर्जा वाला होता है। सृष्टि की जब शुरुआत हुई तब से अब तक चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा का महत्व कई रूपों में रहा है। ऋतु बदलाव के कारण इसमें खास तरह के आहार-विहार करने का विधान आयुर्वेद में बताया गया है। इसी के साथ पर्यावरण की शुद्धि, आत्मशुद्धि, शरीरशुद्धि और मनशुद्धि का भी अवसर इस खास महीने में होता है।

यदि इंसान धरती और स्व-अस्तित्व को सुरक्षित व प्रवृद्ध रखना चाहता है तो उसे सृष्टि के विभिन्न घटकों- धरती, जल, हवा, अग्नि, आकाश को प्रदूषण से मुक्त रखना होगा। नव-संवत्सर में समय को उसके विभिन्न अंगों- वर्ष, मास, तिथि, वार, नक्षत्र आदि के साथ पूजन करने का मकसद वक्त की महत्ता को समझाना है। यानी वक्त के सदुपयोग से फायदा और दुरुपयोग से नुकसान होता है। नववर्ष का यह संदेश मानव जीवन के चहुंमुखी विकास, कल्याण और वैज्ञानिकता को बढ़ाने का दार्शनिक अवसर भी है।

कोविड की सीख से इन्फ्लूएंजा वायरस का मुकाबला

डॉ. शशांक द्विवेदी

दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में इस समय इन्फ्लूएंजा ए के सब टाइप एच3एन2 वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार से प्राप्त अब तक के आंकड़ों के अनुसार एच3एन2 सहित इन्फ्लूएंजा के विभिन्न सब टाइप के तीन हजार से अधिक संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई है। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में एच3एन2 वायरस खतरा बढ़ गया है। इस वायरस से देश में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं वायरस का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में है। यहां अब तक स्वाइन फ्लू और एच3एन2 के कुल 352 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें एच3एन2 से पीड़ित लगभग सौ मरीज हैं।

भारत में जनवरी से मार्च तक का वक्त फ्लू सीजन माना जाता है। इस दौरान लोगों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इस बार का फ्लू सीजन काफी अलग है। इस बार न सिर्फ मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ी है, बल्कि उनकी खांसी भी हफ्तों ठीक नहीं हो रही। मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की भी नौबत आ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि लैब में टेस्ट किए गए इन्फ्लूएंजा सैंपल्स में से लगभग 79 फीसदी में एच3एन2 वायरस पाया गया है। इसके बाद 14 फीसदी सैंपल्स में इन्फ्लूएंजा बी विक्टोरिया वायरस पाया गया है और 7 फीसदी में इन्फ्लूएंजा ए एच1एन1 वायरस पाया गया है। एच1एन1 को आम भाषा में स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है। इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 के तेजी से फैलने के बारे में विशेषज्ञों ने पहले ही आगाह किया था। तब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने कहा था कि पिछले 2-3 महीनों में इन्फ्लूएंजा टाइप ए के सबटाइप एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस को लेकर कहा कि ये वायरस भीड़-भाड़ वाली जगहों में आसानी से लोगों को अपना शिकार बनाता है।

एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमण के बाद गंभीर लक्षण विकसित होने की संभावना अधिक होती है। इनको बीमारी से उबरने में अधिक समय लग सकता है। पिछले तीन साल में ज्यादातर लोग कोविड-19 से प्रभावित हुए हैं। इसका असर अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ इम्यून सिस्टम पर भी देखा जा सकता है। एंटीजेनिक ड्रिफ्ट के कारण फ्लू वायरस हर साल बदलता है और मौजूदा समय में प्रमुख वायरस एच3एन2 है। इन्फ्लूएंजा वायरस पर मेदांता के इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के अध्यक्ष और चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के मुताबिक एच3एन2 एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है। ये हर साल इस मौसम में होता है। उन्होंने बताया कि ये इस तरह का वायरस है जो समय के साथ म्यूटेट होता है। इसे मेडिकल की भाषा में एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहते हैं। एच1एन1, वायरस का वर्तमान सर्कुलेटिंग स्ट्रेन एच3एन2 है, इसलिए यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन है। उनका कहना है कि इसलिए मौजूदा वक्त में हम इन्फ्लूएंजा के केसों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। इसके मरीजों में बुखार, गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने के मामले बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस की वजह से होने वाला सांस का एक तेज संक्रमण है जो दुनिया के सभी हिस्सों में फैलता है, और विश्वस्तर पर कुछ महीनों के दौरान इसके मामलों में बढ़ोतरी देखी जाती है। भारत में हर साल मौसमी इन्फ्लूएंजा दो बार चरम पर होता है। एक जनवरी से मार्च तक और दूसरा मानसून के बाद होता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है। कोविड महामारी के दो साल बाद, बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में फिक्र बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस ए, बी, सी और डी चार तरह का होता है। इनमें ए और बी से मौसमी फ्लू होता है। इन्फ्लूएंजा ए के दो प्रकार एच3एन2 और एच1एन1 होते हैं। इन्फ्लूएंजा टाइप बी का कोई प्रकार नहीं होता, लेकिन लाइनेज होते हैं। इनमें सी सबसे कमजोर और कम खतरे वाला माना जाता है। इसका डी टाइप मवेशियों को शिकार बनाता है। आईसीएमआर के मुताबिक, सर्विलांस डेटा बताता है कि 15 दिसंबर के बाद से एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। इन मामलों में सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन वाले आधे से ज्यादा मरीज एच3एन2 के संक्रमण से ग्रस्त रहे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 का संक्रमण गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोग मास्क का इस्तेमाल करते रहेंगे तो इससे काफी हद तक बचाव किया जा सकेगा। उन्होंने जानकारी दी थी कि इस वायरस के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने का निर्णय लेने की बात चल रही है। सभी वायरल बुखारों में लगभग समान लक्षण होते हैं। शुरुआत में यह अंतर करना बहुत मुश्किल है कि आपको कौन-सा वायरल इन्फेक्शन है। आइसीएमआर ने हाल में अपनी स्टडी में पाया कि वर्तमान में लोगों में जो इन्फेक्शन हो रहा है वो बड़े पैमाने पर एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस का है, कोरोना का नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल भारत में इन्फ्लूएंजा के मामले जिस तेजी से बढ़े हैं उससे लगता है कि यह दौर लंबे समय तक चलेगा। इसके लक्षण जैसे खांसी और खराश तीन हफ्ते तक रह सकते हैं। वहीं आमतौर पर मौसमी बुखार और खांसी करीब पांच से सात दिन तक रहते हैं।

पदंगुष्ठासन

इस योगासन को करने के लिए अपने दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बना कर खड़े हो जाएं। अब धीरे-धीरे कमर के बल नीचे की ओर झुकें। दोनों पैरों के अंगूठे को अपने हाथ से पकड़े। घुटने को नीचे जाने भर तक मोड़ सकते हैं। इस पोज में कुछ देर खड़े रहें। ये आसन आपके मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है। इस आसन को करते समय आपकी कमर बिल्कूल सीधी होनी चाहिये।आपंका सम्पूर्ण शरीर केवल पंजों के अंगूठे पर टिका हो।

पश्चिमोत्तानासन

इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठकर अपने पैरों को सामने की तरफ फैलाएं। अब सांस लेते हुए शरीर को आगे ले जाएं और अपने हाथों से पैर के अंगूठे को पकड़ने की कोशिश करें। अपने शरीर को आगे ले जाएं और सिर को घुटनें पर लगाने का प्रयास करें।

सिरदर्द से जल्द आराम पाने के लिए करें ये योगासन

आजकल काम का बोझ, नींद पूरी न होने या अन्य कई कारणों से लोगों को सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। सिरदर्द या माइग्रेन की परेशानी से जो लोग पीड़ित होते हैं उनको ही पता होता है कि जब सिरदर्द होता है तो आपका मन मस्तिष्क कितना तकलीफ में होता है। कई लोगों को तो अक्सर ही सिरदर्द की शिकायत रहती है। ऐसे में वह हाई पावर की दवाएं खाने लगते हैं। दवा का असर होने तक तो वह ठीक रहते हैं पर जैसे ही दवा का असर कम होता है, सिर दर्द बढ़ जाता है। ऐसे में आपको दवाओं से ज्यादा अगर कुछ कारगर उपाय सिरदर्द में मदद करेगा, तो वह योगासन है। नियमित योगासन से सिरदर्द की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। सिरदर्द से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को योग बेहतर बनाने का काम करते हैं। चलिए जानते हैं ऐसे चार योगासन के बारे में जो सिरदर्द से राहत दिला सकते हैं।

सेतु बंधासन

इस आसन ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट कर अपने पैरों के घुटने को मोड़ते हुए पैर फर्श पर टच करवाएं। अब हाथों की मदद से शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। अब पीठ और जांघों को फर्श से आसमान में उठाते हुए गहरी सांस लें और बाहर छोड़ें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद पहले वाली स्थिति में आ जाएं। इस आसन को रोज करने पर डिप्रेशन, चिंता, स्ट्रैस जैसी समस्याएं दूर रहती है। इसे करने से आप मन शांत रहता है और शरीर को एनर्जी भी मिलती है। इसके अलावा अगर आपको माइग्रेन की समस्या है तो वह भी इससे दूर हो जाएगी।

बालासन

बालासन दिमाग को शांत रखने में मदद करता है। इस आसन को करने के लिए वज्रासन मुद्रा में बैठ जाएं। सांस को अंदर लें और दोनों हाथों को सीधा सिर के ऊपर ले जाएं। अब सांस बाहर की ओर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। हथेलियों और सिर को जमीन पर टिका लें। अब सांस अंदर बाहर करते हुए उंगलियों को आपस में जोड़ें और सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रखें। बालासन आपके पुरे शरीर का थकान दूर करके आराम और ताजगी प्रदान करता है। बालासन पीठ दर्द को दूर करता है और तनाव कम करता है।

हंसना मना है

पप्पू - आओ मिलकर हम दोनों दर्द बांटते हैं...! गप्पू - लेकिन कैसे... पप्पू - तुम दरवाजे में अपनी उंगली दो, मैं दबाता हूं, फिर हम दोनों मिलकर चिल्लाएंगे...!!!

लड़की वाले लड़का देखने गए... लड़की वाले - कितना कमा लेते हो.. लड़का - इस महीने दो करोड़ कमाया...लेकिन लड़की वाले - लेकिन क्या हुआ... लड़का - बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई...!!!

पप्पू मंदिर गया... एक बाबा ने कहा-10 रुपये दे बच्चा... पप्पू ने 10 रुपये निकाल कर दे दिए...! बाबा ने कहा - मैं खुश हुआ, मांग क्या मांगता है.. पप्पू बोला-मुझे 100 रुपये दे दो...

बढ़ती महंगाई के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे नेता को मुस्कुराता देख रिपोर्टर बोला-नेता जी, आप तो टेंशन फ्री हैं, लोग अनाप शनाप बोल रहे हैं... आपसे बेतुके सवाल कर रहे हैं... और आप सबको मुस्कुरा के उत्तर दे रहे हैं... क्या राज है... इसका... ये तो चमत्कार से कम नहीं है... नेता जी बोले-ऐ, बबूआ, जानना चाहते हो...आओ इधर... रिपोर्टर-जी हमें भी बताइए... नेता जी कान में फुसफुसाकर बोले-नेता बनने से पहले मैं लेडीज सूट की दुकान पर रहता था... वहां, दो चीजें महिलाओं ने सिखाई... देर तक भूखा रहना और मुस्कुराना...

कहानी | बुद्ध, आम और बच्चे

बात उस समय की है जब महात्मा गौतम बुद्धा एक आम के बगीचे में विश्राम कर रहे थे। तभी वहां खेलते हुए बच्चों की एक टोली आ गयी। सभी बच्चे आम का बगीचा देख कर, आम तोड़ने के लिए वहीं रुक गये। बच्चों ने आम तोड़ने के लिए आम के पेड़ पर पत्थर मरना शुरू किया। देखते ही देखते जमीन पर आमों का ढेर लग गया। इतने में एक बच्चे ने थोड़े ऊंचे आम को तोड़ने के लिए एक पत्थर ज्यादा तेज फेंका। वह पत्थर विश्राम कर रहे महात्मा जी को जा कर लगा और उनके माथे से खून आने लगा। सभी बच्चे यह देख कर बहुत डर गए। उन्हें लगा अब तो बुद्धा जी उनको बहुत डाटेंगे। तभी उनमे से एक बालक डरता हुआ महात्मा जी के पास गया और उनसे हाथ जोड़ते हुए बोला, हे महात्मा! हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। हमें क्षमा कर दीजिए। हमारी वजह से आपको यह पत्थर लग गया और आपके माथे से खून आ गया। इस बात को सुन कर, महात्मा बुद्धा ने बच्चों से कहा, मुझे इस बात का दुख नहीं है की मुझे पत्थर लगा। पर दुख इस बात का है की पेड़ को पत्थर मारने से पेड़ तुम्हे मीठे फल देता है। लेकिन मुझे पत्थर मारने से तुम्हे डर मिला। इस तरह अपनी बात पूरी कर के महात्मा जी आगे चल दिए। और बच्चे भी आम बटोर कर वापस अपने अपने घर चले गए।

कहानी से सीख: इस कहानी के माध्यम से महात्मा गौतम बुद्धा हमें बताना चाहते है कि, कोई अगर हमारे साथ बुरा व्यव्हार करता है, तब भी हमे उसके साथ अच्छा व्यव्हार ही करना चाहिए। जिस प्रकार पेड़ को पत्थर मारने पर भी वह बदले में मीठे फल ही देता है उसी प्रकार हमे भी सभी के साथ मधुर व्यव्हार रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आपको अपने प्रेम जीवन में कुछ सुधार लाने की जरुरत दिख सकती है। आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आज लोग आपसे काफी प्रभावित होंगे।

वृषभ
आज का दिन मिलाजुला असर लेकर आएगा। खर्चों में बढ़ोतरी बनी रहेगी, जो आपकी चिंता को बनाए रखेगी लेकिन इनकम में बढ़ोतरी होने शुरू होगी।

मिथुन
आज आप एक साथ कई योजनाएं बना सकते हैं। खुद पर कंट्रोल करने की की कोशिश करेंगे तो सफल हो जाएंगे। पैसों के क्षेत्र में नए और अच्छे मौके मिल सकते हैं।

कर्क
आज नयी जिम्मेदारी का भार आपके कंधों पर डाला जा सकता है। आप अपने वरिष्ठों से बात करते समय अपने शब्दों पर बारीकी से जांच करें।

सिंह
आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपको अनेक प्रकार की सुख सुविधाओं का आनंद मिलेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा और जीवन साथी काम की बात करेगा।

कन्या
उदासी और सुस्ती के दौर से बाहर निकलने की कोशिश करेंगे और सफल हो जाएंगे। नए दोस्त बनाने का मौका मिल सकता है। आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं।

तुला
आज मन को अनियंत्रित न होने दें। किसी भी तरह का नया निवेश करने के लिहाज से दिन अच्छा नहीं है। आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिक
आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी होगी, जो आपकी परेशानी का कारण बन जाएगी। स्वास्थ्य भी कुछ कमजोर रह सकता है।

धनु
किसी दोस्त के साथ पार्टनरशिप में पैसा कमाने का मौका मिल सकता है। दूसरों के प्रति सहयोग की भावना से सफलता मिलेगी। पुराने कामों के अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

मकर
कोई भी जोखिम भरा कार्य आज ना करें। आपका पारिवारिक-जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है।

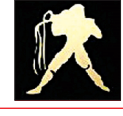

कुम्भ
आप के लिए आज का दिन सामान्य है। अपनी मेहनत पर विश्वास रखें और कामयाबी की राह पर आगे बढ़ें, तभी सफलता मिलेगी। व्यापार से धन लाभ होगा।

मीन
मेहनत का पूरा नतीजा आज आपको मिल सकता है। धैर्य से काम करें और समय का भी ध्यान रखें। घर-परिवार में कुछ मामले पूरी तरह अचानक आपके सामने आ सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे'

रानी मुखर्जी की फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में रानी मुखर्जी की दमदार एक्टिंग और कंटेंट की जमकर तारीफ हुई है। बावजूद इसके ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरे हाल में है। फिल्म की ओपनिंग ठीक-ठाक रही थी। वीकेंड पर भी फिल्म की कमाई में मामूली उछाल देखा गया लेकिन 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' का सोमवार और मंगलवार का कलेक्शन बेहद कम रहा है। चलिए यहां जानते हैं रानी मुखर्जी की फिल्म ने 5वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने 5वें दिन कितनी कमाई की है?

आशिमा छिब्बर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' सच्ची घटना पर बेस्ड है। फिल्म में सागरिका भट्टाचार्य की कहानी को रानी मुखर्जी ने काफी शानदार तरीके से पेश किया है। हालांकि टिकट खिड़की पर फिल्म कमाल नहीं कर पाई है। फिल्म को सिनेमाघरों में ऑडियंस नहीं मिल रही है। वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने शुक्रवार को 1.27 लाख का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 2.26 लाख की कमाई की और तीसरे दिन 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने 2.89 करोड़ कमाए और चौथे दिन फिल्म ने 91 लाख का बिजनेस किया। अब फिल्म के पांचवें दिन के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं। 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने पांचवें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.5 करोड़ का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई अब 8.38 करोड़ रुपये हो गई है।

इमोशनल ड्रामा है रानी मुखर्जी की यह फिल्म

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है। इसमें एक ऐसी मां की सच्ची कहानी दिखाई गई है जो अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने के लिए एक देश के शासन और प्रशासन से भिड़ जाती है। फिल्म में रानी मुखर्जी के अलावा अनिर्बान भट्टाचार्य और जिम सरभ ने भी अहम रोल प्ले किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं कल से ज्यादा मजबूत और समझदार हूं : मृणाल

मृणाल ठाकुर अब बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा बन चुकी हैं। उन्होंने छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक का सफर तय किया है। आज भी उन्हें पहले की तरह कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है, जिसकी वजह से कभी-कभी वह खुद को कमजोर भी महसूस करती हैं। हाल ही में अभिनेत्री को इस दौर से गुजरना पड़ा है, जिसकी जानकारी उन्होंने फैंस को दी है। अब अभिनेत्री ने एक लेटेस्ट तस्वीर फैंस के साथ साझा की और अपना दर्द भी बयां किया। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में मृणाल रोती हुई नजर आ रही हैं और काफी उदास दिख रही हैं। तस्वीर को साझा करते हुए कैप्शन में मृणाल ने लिखा, कल का दिन कठिन था, लेकिन आज मैं ज्यादा मजबूत, समझदार और खुश हूं। हर किसी की कहानियों में कई पन्ने होते हैं, लेकिन हर कोई उसे जोर से नहीं पढ़ते हैं। मैं अपनी कहानियों के पन्नों को जोर से पढ़ना चाहती हूं, क्योंकि शायद किसी को मेरे जरिए सीखी गईं बातों को सीखने की जरूरत है। इस तस्वीर को साझा करने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वह इस तस्वीर के बारे में बात कर रही हैं। वीडियो में मृणाल कहती हैं कि यह तस्वीर तब ली गई थी, जब उन्हें लग रहा था कि वह काफी कमजोर हैं और लाचार महसूस कर रही हैं। उन्हें लग रहा था कि उनसे नहीं हो पाएगा, लेकिन उन्होंने कर दिखाया और आज वह बहुत खुश हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात का खुलासा नहीं किया कि आखिरकार वह किस वजह से परेशान थीं। वहीं, अभिनेत्री के करियर की बात करें तो वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें साझा करती हैं, जिस पर फैंस भी दिल खोलकर प्यार बरसाते हैं। हाल ही में मृणाल को सुपरस्टार अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी में देखा गया था। अब वह आदित्य रॉय कपूर के साथ फिल्म गुमराह में नजर आएंगी। यह फिल्म सात अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मसाला

जल्द ही दीपिका के घर गूंजेंगी किलकारियां

ससुराल सिमर का फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ जल्द ही 36 साल की उम्र में मां बनने वाली हैं। इस बात की जानकारी शोएब इब्राहिम और दीपिका ने अपने यूट्यूब ब्लॉग के जरिए दी थी। इसी बीच आज उनके मुंबई में स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस अपनी डिलीवरी डेट के बारे में बात करती हुई नजर आईं।

दीपिका कक्कड़ के इस वीडियो में वह पिंक सूट में नजर आ रही हैं। इस दौरान उनसे पैपराजी ने डिलीवरी को लेकर सवाल पूछा, जिस पर एक्ट्रेस कहती हैं, बस कुछ ही दिन बचे हैं, तभी पीछे से एक फोटोग्राफर 21 तारीख बोलता है इस पर दीपिका ने हामी भी भरी। अब फैंस इस बात का अंदाजा लगा रहे हैं कि दीपिका का बच्चा 21 तारीख को होने वाला है। बता दें, एक्ट्रेस ने तीन महीने की प्रेग्नेंसी के बाद इस गुड न्यूज को शेयर किया था।

दीपिका के फैंस को उनका ये वीडियो पसंद आया लेकिन कई लोग ऐसे भी है जो एक्ट्रेस को ट्रोल कर रहे हैं। कुछ लोगों ने एक्ट्रेस को ओवर एक्टिंग बताते हुए ट्रोल करना शुरू कर दिया। तो कई लोगों ने उनके धर्म बदलने पर तंज कसा है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, कितना ओवर एक्टिंग करती है ये। दूसरे यूजर ने लिखा, अरे सर पर दुपट्टा नहीं लिया कैसे मुस्लिम हो। तो वहीं तीसरे यूजर ने उनके हील पहनने पर आपत्ति जताई है।

इस धर्म में मूंछें मानी जाती हैं पवित्र पूरी जिंदगी नहीं कटाते इसके अनुयायी

हिंदू हो या फिर मुस्लिम सभी धर्मों में दाढ़ी को पवित्र माना जाता है और इसीलिए इन धर्मों के मानने वाले लोग दाढ़ी जिंदगी भर दाढ़ी रखते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे धर्म के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें दाढ़ी नहीं बल्कि मूछों को पवित्र माना जाता है और इसीलिए इस धर्म के अनुयायी जिंदगी भर अपनी मूंछे नहीं कटाते। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ईरान के यारसान धर्म के बारे में। इसकी मूंछों को पवित्र माना जाता है। बता दें कि यारसान धर्म ईरान के प्राचीन धर्मों में से एक है। इसकी मान्यताएं, परंपराएं, भक्ति के तरीके और पूजा स्थल अन्य धर्मों से थोड़ा अलग है। हालांकि, यारसान धर्म में कई बातें दूसरे धर्मों से ली गई हैं। इसके अनुयायियों को 'अहले हक' यानी हक वाले कहा जाता है। इस धर्म के संस्थापक का नाम सुल्तान सहाक था जिन्होंने 14वीं सदी में इसकी नींव रखी। यारसान समुदाय के लोग सुल्तान सहाक को खुदा की सात निशानियों में से एक मानते हैं। इस धर्म को मानने वाले हिंदू धर्म की तरह पुनर्जन्म में विश्वास रखते हैं। इनका विश्वास है कि आत्मा का चक्र हजार शक्लों में चलता रहता है। उसके बाद ये पवित्रता हासिल कर ईश्वर से मिल जाती है। यारसानी सूर्य और आग को पवित्र मानते हैं। इनके धर्म में धार्मिक अनुष्ठान और समारोहों को गुप्त तरीके से किया जाता है। यारसानी लोग एक खास तरह का वाद्य यंत्र बजाते हैं जिसे 'तंबूर' कहा जाता है। ईश्वर से अपने जुड़ाव को प्रदर्शित करने के लिए यारसानी अक्टूबर और नवंबर के महीने में तीन दिन का उपवास रखते हैं। इस दौरान वे अपने अपने इलाकों में सूरज ढलने के बाद एक साथ व्रत तोड़ते हैं। यारसानी विशेष प्रकार की बनी रोटी से अपना उपवास खत्म करते हैं। फल में यारसानी अनार को पवित्र मानते हैं। जिसका धार्मिक समारोहों में बड़ी आस्था के साथ इस्तेमाल किया जाता है। उनके प्रार्थना स्थल को 'जाम खाना' कहा जाता है। जहां हर महीने इकट्ठा होकर ईश्वर की उपासना की जाती है। जामखाना में जाने से पहले यारसानियों को सर पर खास तरह की टोपी पहननी होती है। यारसान धर्म के मर्द अनुयायी अपनी मूंछों को कभी नहीं कटाते। उनके धर्म में मूंछों को पवित्र निशानी के तौर पर देखा जाता है। यारसानियों की ज्यादातर आबादी कुर्द बहुल्य इलाके पश्चिमी ईरान में रहती है। हुकूमत ईरान के नजदीक उनकी पहचान सूफी मत में यकीन रखने वाले शिया मुसलमान के तौर पर है।

अजब-गजब | यहां पुलिस के प्रवेश पर है प्रतिबंध

प्रेमी युगलों के लिए सबसे सुरक्षित है ये स्थान

अगर कोई प्रेमी युवक समाज का विरोध कर घर से फरार हो जाए तो पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल पहुंचा देती है। फिर चाहे वह कितनी ही कोशिश क्यों न कर ले कि पुलिस उसे पकड़ न पाए लेकिन एक न एक दिन वह पकड़ में आ ही जाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे प्रेमी युगलों के लिए सबसे सुरक्षित माना जाता है। जहां परिजन तो छोड़िए पुलिस भी उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती।

ये ऐसा स्थान है जहां प्रेमी युगलों को किसी का भी डर नहीं सताता। न समाज का और न कानून का। यही नहीं यहां रहने वाला लोग किसी मेहमान की तरह ही उनकी आव भगत भी करते हैं। दरअसल, हिमाचल प्रदेश के कुल्ली में बसे शंगचूल महादेव मंदिर में कुछ ऐसा ही किया जाता है। जहां प्रेमी जोड़ों को कोई आंच तक नहीं आ पाती और वह यहां सुरक्षित महसूस करते हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के शांघड़ गांव में शंगचूल महादेव नाम का एक मंदिर है। इस गांव की सीमा तक अगर कोई प्रेमी जोड़ा पहुंच जाता है तो वह बिल्कुल सुरक्षित हो जाता है। क्योंकि इस गांव में भागकर आए प्रेमी जोड़े को रहने खाने की इंतजाम गांव के लोग ही करते हैं।

इस गांव में आने वाले सभी भागे हुए प्रेमी जोड़ों की खूब आवभगत होती है। ऐसा माना जाता है कि गांव के लोग देवता के आदेशों के तहत इन लोगों की रक्षा करते हैं। ऐसा माना जाता है कि जब पांडव अज्ञातवास में इस इलाके में पहुंचे तो लोगों ने उन्हें यहां शरण दी थी, लेकिन उनका पीछा करते हुए कौरव भी यहां पहुंच गए। जिसके बाद शंगचूल महादेव ने उन्हें गांव में घुसने से रोक दिया। महादेव ने कहा यहां जो मेरी शरण में आएगा उसकी रक्षा मैं करूंगा। उसके बाद से आज तक यहां यही परंपरा निभाई जाती रही है। इस गांव के लोग इसी परंपरा के मुताबिक भागे हुए प्रेमी जोड़ों की खुद ही सुरक्षा करते हैं। यही नहीं इस गांव में पुलिस को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिलती। इसके अलावा गांव में मांस, शराब, चमड़े के सामान पर भी पाबंदी है।

ऐसा बताया जाता है कि पांडवों का पीछा करते हुए जब कौरव इस गांव में पहुंच गए तो महादेव के डर से कौरव वापस लौट गए। इसके बाद से यहां परंपरा शुरू हो गई और यहां आने वाले भक्तों को पूरी सुरक्षा मिलने लगी। कहते हैं कि जब तक मामले का निपटारा न हो जाए ब्राह्मण समुदाय के लोग यहां आने वालों की पूरी आव भगत करते हैं। उनके रहने से खाने तक की पूरी जिम्मेवारी यहां के लोग ही उठाते हैं। इस गांव में कोई व्यक्ति हथियार लेकर प्रवेश नहीं कर सकता। यही नहीं किसी से ऊंची आवाज में बात करना भी इस गांव में निषेध है। यहां देवता का ही फैसला मान्य होता है।

बिहार प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार : नीतीश

» बिहार दिवस समारोह में बोले- राज्य तेजी से बढ़ रहा आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी मैदान में दीप प्रज्वलित कर और गुब्बारे उड़ाकर बिहार दिवस 2023 के कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से एक बार फिर विशेष राज्य के दर्जा की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार विकास की ओर लगातार बढ़ रहा है। लेकिन अगर विशेष राज्य का दर्जा मिल जाता तो बिहार का और अधिक विकास होता।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र से मांग करते हुए कहा कि अगर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए तो बिहार बहुत आगे बढ़ जाएगा। उन्होंने बिहार के प्रति व्यक्ति आय की तुलना करते हुए कहा कि देश में प्रतिव्यक्ति आय 1.5 लाख है जबकि बिहार का प्रति व्यक्ति आय 64.383 हजार रुपया है। उन्होंने कहा कि बिहार की विकास दर साल 2009 से ही लगातार बढ़ रहा है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा मिलने से बिहार और तेजी से आगे बढ़ेगा। इसी बात को वित्त मंत्री ने भी दोहराते हुए कहा कि हम आगे की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अगर विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए तो हमारा बिहार सबसे आगे हो जाएगा।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार और लालू यादव को बताया महापुरुष

उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले शायराना अंदाज में लोगों का अभिनंदन किया। फिर बिहार में किए जा रहे विकास को लेकर बातें कही। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हमारे देश में कई महापुरुष हुए जिन्होंने देश और बिहार को आगे बढ़ाया। ऐसे लोगों में मुख्यमंत्री नीतीश और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, जाति गणना से पता चलेगी आर्थिक स्थिति

सीएम नीतीश ने कहा कि साल 1931 के बाद देश में जाति आधारित जनगणना नहीं हुई है। साल 2011 में एक बार कोशिश की गई, लेकिन यह ठीक ढंग से नहीं होने के कारण इसकी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की गई। उन्होंने आगे कहा कि बिहार के सभी दलों के लोगों ने प्रधानमंत्री से जाति आधारित जनगणना कराने की मांग की थी, लेकिन मांग नहीं मानी गई। हमलोग बिहार में जाति आधारित गणना करवा रहे हैं। जातिगत गणना और कराए जा रहे सर्वेक्षण से लोगों की आर्थिक स्थिति का भी पता चलेगा।

दिल्ली में पोस्टर वार
अब भाजपा ने आप के खिलाफ खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच पोस्टर वार का दौर शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के जवाब में भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को मंडी हाउस में दीवारों पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाए हैं।

मुख्यमंत्री को लेकर चस्पाए गए पोस्टर पर अरविंद केजरीवाल को हटाओ दिल्ली बचाओ जैसे नारे लिखे हैं। इसे लेकर आम आदमी पार्टी ने विरोध दर्ज कराया है।गौरतलब है कि इससे पहले बुधवार (22 मार्च) को राजधानी में सार्वजनिक जगहों पर प्रधानमंत्री के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में 36 व अन्य अवैध पोस्टर चस्पाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने 114 एफआइआर दर्ज की है। पुलिस ने सोमवार व मंगलवार दो दिनों तक पूरी दिल्ली में अभियान चला अवैध पोस्टर चस्पाने के मामले में यह कार्रवाई की है।

नफरत फैला रही है आप : भाजपा

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि प्रत्येक राजनीतिक दल अपना प्रचार करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उन्हें अपने अभियान को सार्वजनिक रूप से चलाने का साहस होना चाहिए। आम आदमी पार्टी (आप) पर्दे के पीछे से प्रधानमंत्री के खिलाफ नफरत फैलाने का अभियान चला रही है।

फोटो : सुमित कुमार

वितरण लोकभवन में सीएम योगी ने विभिन्न विभागों में चयनित 496 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होंने इस मौके पर सीएम ई-अधियाचन पोर्टल का शुभारंभ भी किया।

अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर पर कसेगा पंजाब पुलिस का शिकंजा

बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी संगठन से जुड़े हैं तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल की तलाश में सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी उसके गांव जल्लूपुर खेड़ा पहुंचे। यहां उसकी पत्नी किरणदीप कौर से भी पूछताछ की गई। उससे बब्बर खालसा इंटरनेशनल नाम के आतंकी संगठन से संबंध और विदेशी फंडिंग मामले में पूछताछ की गई। शादी से पहले किरणदीप यूके में रहती थी। मीडिया में आई एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, वहां रहते हुए वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल नाम के आतंकी संगठन के लिए काम कर चुकी है। वह यूके में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के लिए फंड इकट्ठा करती थी। वर्ष 2020 में उसे पांच अन्य साथियों सहित वहां की सुरक्षा एजेंसियों ने हिरासत में लिया था।

वहां भी उससे पूछताछ भी हुई थी। यह भी बताया जा रहा है कि किरणदीप कौर के कुछ खातों में भी विदेशों से धनराशि ट्रांसफर हुई है। इसकी भी जांच की जा रही है। हालांकि कोई पुलिस अधिकारी इस पर कुछ भी बताने से इन्कार कर रहा है। पुलिस सिर्फ इतना कह रही है कि किरणदीप व उसके रिश्तेदारों के बैंक खातों की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों को अगर पूछताछ के दौरान कोई भी सुराग हाथ लगता है, तो किरणदीप को हिरासत में लिया जा सकता है। अमृतपाल के भाई को पुलिस पहले ही हिरासत में ले चुकी है। बुधवार को अमृतपाल की मां बलविंदर कौर, पिता तरसेम सिंह और चाचा सुखचैन सिंह और दादी चरण कौर से भी पूछताछ की।

अपने बल्लेबाजों पर भड़के भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कहा,
घरेलू पिच पर ऐसी बल्लेबाजी शर्मनाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आखिरी वनडे में हार के बाद अपने बल्लेबाजों पर जमकर भड़ास निकाली। रोहित शर्मा ने कहा कि यह लक्ष्य बड़ा नहीं था, लेकिन हमारे बल्लेबाज साझेदारी करने में कामयाब नहीं हुए। दूसरी पारी में पिच थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो गई थी। मेरे ख्याल से हमने खराब बल्लेबाजी की। साझेदारी अहम होती है और हम आज ऐसा करने में नाकाम रहे। जिस तरह विकेट गिरे, वो शर्मनाक था। आप इन्हीं पिचों पर खेलकर बड़े हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा, कि कभी आपको अपने आप को झोंकना पड़ता है। खुद को मौका देना होता है। एक बल्लेबाज के लिए जरूरी था कि क्रीज पर जमे और मैच अंत तक लेकर जाए। मगर हम सबने अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

घर में हार : भारत से कंगारु टीम ने सीरीज जीती

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों तीसरे व अंतिम वनडे में 21 रन की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 49 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारतीय टीम 49.1 ओवर में 248 रन पर ढेर हुई।इसी के साथ भारतीय टीम वनडे सीरीज 1-2 से गंवा बैठी। बता दें कि दोनों टीमों के खिलाड़ी फिलहाल आईपीएल में हिस्सा लेंगे। इसके बाद भारत-ऑस्ट्रेलिया जून में इंग्लैंड के द ओवल में आमने-सामने होंगे जब दोनों देशों के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को देना होगा श्रेय

भारतीय कप्तान ने कहा कि हमने इस साल वनडे में कई सकारात्मक चीजें हासिल की। हमारी टीम एकसाथ फेल हुई और इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय जरूर देना चाहिए। रोहित शर्मा ने कहा, कि हमने जनवरी से 9 वनडे मैच खेले हैं। हमें इससे काफी सकारात्मक चीजें सीखने को मिली। हमारी टीम का एकजुट निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पांच महीने के समय में हमें इन्हीं परिस्थितियों में खेलना है। आपको जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय देना होगा।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

फोटो : सुमित कुमार

याद किए गए डॉ. लोहिया

राजधानी के लोहिया पार्क में समाजवादी पार्टी ने समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया का जन्मदिन बड़े-बड़े धूम-धाम से मनाया। इस समारोह में सपा मुखिया ने लोहिया की मुर्ति पर पुष्प अर्पित किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान बचाकर डॉ. लोहिया के सपनों को पूरा करेगी। डॉक्टर लोहिया चाहते थे कि हर व्यक्ति को संविधान में किए गए प्रावधान का लाभ मिले। लोहिया पार्क में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया को याद करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह वो स्थान है जहां पर लगातार समाजवादी लोग डॉ. राम मनोहर लोहिया से प्रेरणा लेने आते हैं।

कोरोना पर बेहतरीन रिपोर्टिंग के लिए मिलन शर्मा को गोयनका अवॉर्ड

» मुख्य न्यायाधीश ने किया दिल्ली में सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना महामारी के चलते लगभग तीन साल बाद एक बार फिर पत्रकारिता जगत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार रामनाथ गोयनका अवॉर्ड का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

दिल्ली में आयोजित 16वें रामनाथ गोयनका अवॉर्ड्स समारोह में देश की जानी-मानी व आज तक से जुड़ी चर्चित पत्रकार मिलन शर्मा को पत्रकारिता जगत के इस प्रतिष्ठित रामनाथ गोयनका अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मिलन शर्मा को 2020 में कोरोना महामारी के दौरान कोविड से हुई मौतों के आंकड़ों पर की गई रिपोर्ट के लिए ये सम्मान दिया गया। मिलन शर्मा को ये अवॉर्ड चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवॉर्ड को जीतने पर खुशी जताते हुए कहा कि इस अवॉर्ड को पाकर जिंदगी में यूं ही सच की पत्रकारिता करने का साहस बंधा रहे, बस ये ही कामना करती हूं। मिलन शर्मा को उनके निर्भीक और निडर पत्रकारिता के लिए जाना जाता है। गौरतलब है कि पत्रकारिता के लिए प्रतिष्ठित ये अवॉर्ड हर वर्ष दिए जाते हैं। लेकिन कोरोना महामारी के कारण पिछले 3 साल से ये अवॉर्ड आयोजित नहीं हो पाए थे। इसलिए इस साल तीन साल बाद इस बार रामनाथ गोयनका अवॉर्ड का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित हुए रामनाथ गोयनका एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में 2019 और 2020 के विजेताओं को सम्मानित किया गया। अलग-अलग कैटेगरी में कुल 43 विजेताओं को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकारिता पर बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र को जीवंत रखने के लिए सरकार से कड़े सवाल पूछने वाले पत्रकार बहुत जरूरी हैं। जब भी प्रेस को सत्ता के सामने सच बोलने से रोका जाता है, तब लोकतंत्र की जीवंतता से समझौता किया जाता है।

इंडिगो फ्लाइट में पैसेंजर्स से शराबियों ने की बदसलूकी

» पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंडिगो की दुबई से मुंबई आ रही एक फ्लाइट में नशे की हालत में दो यात्रियों ने केबिन क्रू और सहयात्रियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी की। इस मामले के सामने आने के बाद मुंबई में दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि इस मामले में विमानन कंपनी इंडिगो की तरफ से ही शिकायत की गई थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर दोनों यात्रियों को अरेस्ट किया गया। हालांकि, यहां उन्हें एक अदालत से मामले में जमानत मिल गई।

पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी कोल्हापुर और पालघर के नालासोपारा के रहने वाले हैं। वे खाड़ी देश में एक साल काम करने के बाद लौट रहे थे।' अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी देश लौटने की खुशी में शराब पी रहे थे। उनके नाम दत्तात्रेय बपरदेकर और जॉन जॉर्ज डिसूजा हैं। एक पुलिस अफसर ने कहा कि जब अन्य यात्रियों ने उनके हंगामा करने पर आपत्ति जताई, तो उन्होंने उन्हें तथा बीच-बचाव करने वाले चालक दल के सदस्यों से अपशब्द कहे।

चार दिन के नवजात को बूटों से कुचलकर मार डाला!

» छह पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। गिरिडीह जिले में कथित तौर पर बूटों से कुचलकर एक नवजात शिशु को मार डालने के आरोप में छह पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मामले की जांच के आदेश दिए थे। घटना बुधवार को जिले के कोसोगोंडोदीघी गांव में हुई। पुलिस एक आरोपी की तलाश में उसके घर गई थी। आरोपी मृतक बच्चे का दादा है। पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर एक कमरे के अंदर सो रहे नवजात शिशु को बूटों से कुचला।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, देवरी पुलिस स्टेशन के प्रभारी संगम पाठक के नेतृत्व में टीम आरोपी भूषण पांडे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद घर में गई थी। पुलिस को देखकर भूषण के परिवार के सभी सदस्य नवजात को घर में अकेला छोड़कर फरार हो गए।

सात गांवों में गरजा बुलडोजर

» आरोपी अब भी फरार पुलिस नाकाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागाज। उमेशपाल हत्याकांड में चल रही कार्रवाई के तहत प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने आज कई जगहों पर बुलडोजर चलाकर आरोपियों के निमार्णों को गिराया। घटना के हुए लगभग एक महीना होने वाला पर हत्या के आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस कार्यवाही में जुटी तो पर उन्हें पकड़ नहीं पा रही है।

प्रयागराज नगर निगम के जोन -2 के बक्शी मोड़ा, बक्शी, दामूपुर, सैदपुर, बीरमपुर लखनपुर, रावतपुर आदि ग्राम सभाओं में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हो गई। ग्राम सभाओं में अवैध रूप से की गई प्लाटिंग व निर्माण को पीडीए के बुलडोजर द्वारा गिराया जायेगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा बताया गया यह कार्रवाई 2 दिन तक चलेगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा आज प्रयागराज नगर निगम के जोन -2 के बक्शी मोड़ा, बक्शी, दामूपुर, सैदपुर, बीरमपुर लखनपुर, रावतपुर आदि ग्राम सभाओं में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ग्राम सभाओं में अवैध रूप से की गई प्लाटिंग व निर्माण को पीडीए के बुलडोजर द्वारा गिराया जायेगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा बताया गया यह कार्रवाई 2 दिन तक चलेगी।

उमेशपाल हत्याकांड

पुलिस की रडार पर दर्जनों प्रॉपर्टी डीलर

प्रयागराज में 24 फरवरी को उमेशपाल हत्या कांड के बाद से पुलिस जांच में दर्जन भर से ज्यादा प्रॉपर्टी डीलर और प्लाटर पुलिस के रडार पर हैं। इनका संबंध सीधे या छिपे तौर पर माफिया अतीक अहमद या असरफ से रहा है। जानकारी के मुताबिक जमीन के कारोबार से जुड़े हैं ये सभी लोग जो अतीकअहमद के लिए फंडिंग की व्यवस्था करते थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।